जीवन बीमा पॉलिसी लेते समय इन बातों का रखें ध्यान

कॉलम ऑन इंश्योरेंस
▪ रोहित शाह

क्या आप जीवन बीमा कराने जा रहे हैं? यदि हां, तो इन बातों पर गौर करना आपके लिए फायदेमंद हो सकता है..

1. कवर और बजट की राशि तय करें : कितने बीमे की जरूरत है यह जानने के लिए पर्सनल फाइनेंस की वेबसाइटों पर उपलब्ध कैलकुलेटर की मदद ले सकते हैं। बीमा क्षतिपूर्ति के सिद्धांत पर काम करता है। आपको इसे क्षतिपूर्ति के नजरिये से ही देखना चाहिए, लाभ के नजरिये से नहीं।

2. किस कंपनी से पॉलिसी लें : एलआईसी की साख अच्छी है और ट्रैक रिकॉर्ड भी। इसके टर्म प्लान के लिए प्रीमियम अधिक चुकाना होगा। वहीं, प्राइवेट इंश्योरेंस कंपनियां ऑनलाइन मॉडल और अन्य कारणों से इस मामले में ज्यादा प्रतिस्पर्धी हैं। इसलिए अपने बजट और बीमा कवर की राशि के आधार पर तय करें आप किस कंपनी से पॉलिसी खरीदना चाहेंगे।

3. कवर स्प्लिट करें : यदि बीमा कवर अधिक राशि का है मसलन 50 लाख रुपए या इससे अधिक तो आपको इसे दो कंपनियों में बांटना चाहिए। इसके दो फायदे होंगे : पहला, यदि आपकी मृत्यु के बाद परिवार बीमा क्लेम करता है और एक कंपनी इसे खारिज करती है और दूसरी मंजूर, तो आपका परिवार हस्तक्षेप के लिए नियामक से अनुरोध कर सकता है। दूसरा, कुछ वर्षों बाद यदि आपकी बीमा जरूरत घट जाती है तो एक पॉलिसी को सरेंडर कर दूसरी पॉलिसी को जारी रख सकते हैं।

4. पॉलिसी की अवधि : यदि आपके पास वित्तीय संपत्तियां अधिक हैं, तो आपको जीवन बीमा पर खर्च करने की जरूरत नहीं है। उम्र के साथ वित्तीय संपत्तियां बढ़ती हैं और वित्तीय देनदारियां घटती हैं। रिटायर होने तक ज्यादातर आर्थिक जिम्मेदारियां पूरी हो चुकी होती हैं। इसलिए ऐसी पॉलिसी लें जो रिटायरमेंट की उम्र के आसपास खत्म हो रही हो।

5. डिक्लेरेशन : जीवन में ईमानदारी बरतना सबसे अच्छी नीति है। पॉलिसी का प्रपोजल फॉर्म खुद भरें। सभी जरूरी तथ्यों का खुलासा करने में पर्याप्त सावधानी बरतें। मौजूदा मेडिकल स्टेटस मसलन, डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर आदि की जानकारी छिपाना आपके हित में अच्छा नहीं है। आज कई तकनीक मौजूद हैं जो आपके स्वास्थ्य की सही तस्वीर सामने ला सकती है।

6. सलाहकार की मदद लें या खुद खरीदें : पहले यह देखें कि सलाहकार आपको किस स्तर की सेवा दे सकता है। आप उससे विभिन्न पॉलिसियों का तुलनात्मक विश्लेषण उसकी सिफारिश के साथ मांग सकते हैं। वह प्रीमियम लोडिंग, मेडिकल टेस्ट, एमडब्ल्यूपीए, इंश्योरेंस डीमैट अकाउंट खोलने में आपकी मदद कर सकता है। वह बीमाधारक की मृत्यु के बाद उसके परिवार को वाजिब क्लेम दिलाने में मदद कर सकता है।

7. कौन-सी पॉलिसी लें : विभिन्न वेबसाइटों पर मौजूद इंश्योरेंस पॉलिसियों के तुलनात्मक विश्लेषण का अध्ययन करें। इसके फीचर्स और अपनी बीमा जरूरत में तुलना करें। अपनी खोज का दायरा दो-तीन अच्छी पॉलिसियों तक सीमित करें। इंटरनेट पर दो-तीन वेबसाइट देखें और उनकी सिफारिशों की समीक्षा करें। किसी पॉलिसी को चुनने से पहले बेनेफिट इलस्ट्रेशन की समीक्षा करें। इससे आप छिपी लागत मालूम कर सकेंगे।

8. बीमा या निवेश : बीमा और निवेश दोनों को अलग-अलग रखना चाहिए। अन्यथा यूलिप जैसे जटिल इंश्योरेंस प्रोडक्ट खरीदने की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। ऐसा बीमा लेना आपको महंगा भी पड़ सकता है।

9. ऑनलाइन खरीदें या ऑफलाइन : किसी अच्छी बीमा कंपनी से टर्म प्लान ऑनलाइन खरीदना चाहिए। यह सुविधाजनक और सस्ता भी पड़ता है।

10. एमडब्ल्यूपीए : मैरीड वीमन्स प्रोटेक्शन एक्ट के तहत पॉलिसी लेने से यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि बीमाधारक की मृत्यु के बाद क्लेम की राशि उसके परिवार को ही मिलेगी। इसका इस्तेमाल उसकी देनदारी चुकाने में नहीं होगा।

11. रेगुलर या सिंगल प्रीमियम : आमतौर पर रेगुलर प्रीमियम पॉलिसी लेना बेहतर रहता है। इसमें टैक्स बेनेफिट लेने के ज्यादा मौके मिल सकते हैं। जबकि सिंगल प्रीमियम पॉलिसी में शुरुआती वर्षों में बीमाधारक की मृत्यु होने पर बीमे की प्रभावी लागत अधिक हो सकती है। वजह, इसमें सभी वर्षों के लिए प्रीमियम एडवांस में अदा करना होता है।

-लेखक सर्टिफाइड फाइनेंशियल प्लानर हैं और द फाइनेंशियल प्लानर्स गिल्ड इंडिया के सदस्य हैं।
rohit.shah@dainikbhaskargroup.com

लो स्टिमुलस | अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने अपनी बांड खरीद में की 10 अरब डॉलर की कटौती

'ईजी मनी' का दौर खत्म

एजेंसी | वाशिंगटन

पिछले कई महीनों से जैसी आशंका जताई जा रही थी, वह आखिरकार सही साबित हुई है। अमेरिका में सस्ता पैसा सुलभ कराने का दौर खत्म करने की शुरुआत फेडरल रिजर्व ने बाकायदा कर दी है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने कहा है कि वह अब से हर महीने 85 अरब डॉलर के बजाय 75 अरब डॉलर मूल्य के बांडों की ही खरीदारी करेगा। दूसरे शब्दों में, फेडरल रिजर्व के बहुप्रचारित स्टिमुलस कार्यक्रम के तहत मासिक बांड खरीद में 10 अरब डॉलर की कमी की गई है। इस कदम को भले ही जोखिम भरा माना जाता रहा हो, लेकिन अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने अब इस राह पर चलना ही बेहतर समझा है।

फेडरल रिजर्व का कहना है, 'अमेरिकी इकोनॉमी की हालत अब ठीक-ठाक है। अतः इसके मद्देनजर बांड खरीद के आकार में चरणबद्ध ढंग से कमी करना अब संभव हो गया है।' अमेरिका के केंद्रीय बैंक ने इस कदम का आगाज बुधवार को किया। फेड ने अपनी इस सख्ती के साथ-साथ थोड़ी नरमी भी बरती है।

कम खरीदारी

75 अरब डॉलर मूल्य के बांडों की ही मासिक खरीदारी करेगा अब से अमेरिकी फेडरल रिजर्व

85 अरब डॉलर मूल्य के बांड हर माह खरीदता था अमेरिकी केंद्रीय बैंक इससे पहले

2014 के आखिर में बांड खरीद कार्यक्रम पर पूरी तरह से विराम लगाए जाने के आसार

थोड़ी राहत भी

अत्यंत कम ब्याज दर पर लोन मुहैया कराने का दौर अमेरिका में आगे भी रहेगा जारी

बांड खरीद से पीछे हटेगा भारत

पी. चिदंबरम

नई दिल्ली | अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा अपनी बांड खरीद में कटौती की घोषणा करने से शेयर बाजार में भले ही घबराहट हो, लेकिन वित्त मंत्री पी. चिदंबरम कोई खास परेशान नहीं हैं। चिदंबरम ने कारोबारियों से न घबराने की अपील करते हुए कहा कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ताजा कदम से उपजे हालात से निपटने के लिए सरकार कुछ और कदम उठा सकती है।

फेडरल रिजर्व की बांड खरीद में जनवरी महीने से होने वाली कटौती का जिक्र करते हुए चिदंबरम ने कहा, 'अगर कोई और नीतिगत कदम उठाने की जरूरत होगी, तो हम ऐसा जरूर करेंगे। अब तक हमने जो-जो कदम उठाए हैं उनका असर अब भी पड़ रहा है।'

शेयर बाजार 150 अंक नीचे आया

मुंबई | अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बांड खरीद में कटौती की घोषणा से गुरुवार को बाजार में काफी घबराहट दिखी। इस वजह से बढ़ी शेयर बिकवाली के चलते बॉम्बे शेयर बाजार का सेंसेक्स 151.24 अंक टूट कर 20,708.62 अंक पर आ गया। खासकर कैपिटल गुड्स, पावर और बैंक शेयरों को भारी बिकवाली का सामना करना पड़ा।

वैसे तो सेंसेक्स गुरुवार को 100 अंकों की खासी बढ़त के साथ खुला था, लेकिन बाद में घबराए निवेशकों ने शेयरों की बिकवाली शुरू कर दी। अमेरिकी फेडरल रिजर्व का ताजा निर्णय इसके लिए जिम्मेदार रहा। सेंसेक्स में शामिल कुल 30 शेयरों में से 19 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। इनमें रिलायंस इंडस्ट्रीज, एसबीआई, आईटीसी, एचडीएफसी बैंक, हीरो मोटोकॉर्प और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर भी शामिल हैं। इसी तरह बैंकिंग इंडेक्स में 2.43 फीसदी की खासी गिरावट दर्ज की गई।

रिलायंस को गैस महंगी करने की इजाजत

नई दिल्ली | कैबिनेट ने रिलायंस को अप्रैल महीने से गैस की कीमत बढ़ाकर करीब दोगुनी करने की इजाजत दे दी है। हालांकि, कैबिनेट ने उसे बैंक गारंटी भी देनी होगी ताकि यदि गैस जमाखोरी का आरोप प्रमाणित हो जाता है तो कंपनी से देनदारी वसूली जा सके।

सिर्फ 19,900 रु. में मलेशिया का रिटर्न टिकट

भास्कर न्यूज | नई दिल्ली

विदेश घूमने वालों के लिए सस्ते हवाई जहाज के टिकट के विकल्प में एक और एयरलाइंस जुड़ गया। मलेशिया की विमानन कंपनी मेलिंडो एयर इसी महीने के अंतिम सप्ताह में दिल्ली से कुआलालंपुर के लिए सीधी उड़ान शुरू कर रही है। फुल सर्विस वाले इस एयरलाइन ने इस मार्ग पर इकोनॉमी क्लास के रिटर्न टिकट की कीमत 19,900 रुपए रखी है। इसी मार्ग पर सेवा उपलब्ध कराने वाले अन्य एयरलाइनों के रिटर्न टिकट इस समय 37,000 रुपए से ज्यादा में मिल रहे हैं।

मेलिंडो एयर के सीईओ चन्द्रन रामामूर्ति ने बताया कि वह 30 दिसंबर से दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे से कुआलालंपुर की सीधी उड़ान शुरू कर रहे हैं। फिलहाल भारतीय ग्राहकों के लिए प्रोमोशनल किराया जारी किया गया है।

इसमें सभी तरह के शुल्क शामिल हैं। इस मार्ग पर बोइंग 737 विमान लगाया जाएगा जिसमें कुल 180 सीटें होंगी। इनमें से 12 सीटें बिजनेस क्लास की जबकि 168 इकोनॉमी क्लास की सीटें होंगी।